हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय

संस्कृत विभाग

दिनांक 28.05.2016

आज दिनांक 28.05.2016 को प्रातः 10:30 बजे पारम्परिक अध्ययन समिति (BOSOT) की बैठक हुई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए:-

1. प्रो. राजिन्द्रा शर्मा — अध्यक्ष, संस्कृत विभाग तथा पारम्परिक अध्ययन समिति
2. प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र — बाह्य विशेषज्ञ,
3. आचार्य चत्तर सिंह ठाकुर — सदस्य
4. डा0 केशवा नन्द कौशल — सदस्य

बैठक में सचिव कुलपति के पत्र संख्या सचिव/कुलपति / हि0 प्र0 वि0 वि0 /2016 दिनांक 22 अप्रेल 2016 पर चर्चा की गई । समिति संस्कृत विभाग से भिन्न स्वतन्त्र प्राच्य विद्या संकाय को आरम्भ करने की सहर्ष अनुशंसा करती है एवम् अन्य कार्यविधि हेतु इस संकाय के लिए आवश्यक शिक्षक एवम् स्थान और इस से सम्बन्धित निम्नलिखित आवश्यक्ताओं के लिए सम्बन्धित शाखाओं/ विभागों से सम्पर्क स्थापित कर इसे कार्यान्वित करने का आग्रह करती है -

1. इस संकाय में प्रारम्भिक स्तर पर पांच विभाग होंगें
   1 वेद 2 व्याकरण 3 साहित्य 4 दर्शन तथा ज्योतिष
2. उपर्युक्त विभागों में कम से कम प्रत्येक विभाग के लिए 1 आचार्य 2 उपाचार्य तथा 4 सहायक आचार्यो की आवश्यक्ता है । अत : कुल मिलाकर 5 आचार्य , 10 उपाचार्य एवं 20 सहायक आचार्यो की आवश्यक्ता होगी ।
3. इस संकाय को आरम्भ करने के लिए कार्यालय, पुस्तकालय, अध्यापको के लिए कक्ष एवं नियमित कक्षाओं के लिए अध्यापन कक्ष आदि की व्यवस्था करना भी अनिवार्य है ।
4. उपर्युक्त आवश्यक्ताओं के लिए प्रशासन सम्बन्धित विभागों से जानकारी लेकर इसे कार्यान्वित करने की कृपा करे ।

बैठक अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुई।

(प्रो. राजेश्वर मिश्र बाह्य विशेषज्ञ,)
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
बाह्य विशेषज्ञ

आचार्य चत्तर सिंह ठाकुर 28/5/16
(सदस्य) प्राचार्य रा0 संस्कृत
महाविद्यालय क्यारटू शिमला

डा0 केशवा नन्द कौशल

प्रो. राजिन्द्रा शर्मा
अध्यक्ष, संस्कृत विभाग